पीयूष गोयल
PIYUSH GOYAL

सत्यमेव जयते

रेल एवं कोयला मंत्री
भारत सरकार
Minister of Railways and Coal
Government of India

संदेश

हिंदी दिवस के पावन अवसर पर आप सबको मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। किसी भी राष्ट्र की भाषा उस राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत, सभ्यता एवं तकनीकी विकास की परिचायक होती है। हमारे देश में हिंदी अपने विशिष्ट गुणों के कारण राजभाषा बनकर उभरी है।

वर्ष 1949 में आज ही के दिन अर्थात् 14 सितंबर को भारतीय संविधान में हिंदी को राष्ट्र की राजभाषा का दर्जा दिया गया था। उस दिन से प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज हिंदी विश्व की सबसे अधिक बोली और समझी जाने वाली भाषाओं में अग्रणी स्थान पर है। इसकी प्रकृति भारतीय है और इसमें अन्य भाषाओं एवं बोलियों के अनेकों शब्द रच-बस गए हैं।

भारत के आर्थिक विकास और एक उभरती हुई वैश्विक ताकत के रूप में उसकी पहचान के कारण विश्व-समुदाय, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा विभिन्न समुदायों एवं व्यक्तियों के बीच हिंदी का महत्व बहुत बढ़ गया है। हिंदी भाषा के माध्यम से तकनीकी विषयों व गतिविधियों को संचालित करने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि उनकी पहुँच असंख्य लोगों तक हो सकेगी। इस कार्य में भारतीय रेल सक्रिय योगदान दे रही है।

हिंदी दिवस के अवसर पर मंत्रालय और इसके नियंत्रणाधीन कार्यालयों में कार्यरत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मेरा आग्रह है कि राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने का अधिकतम प्रयास करें।

जय हिंद।

पीयूष गोयल

पीयूष गोयल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय 1916 2016 जन्म शताब्दी वर्ष

Rail Bhawan, New Delhi-110001, Tel. : +91-11-23386645, 23381213 Fax : +91-11-23387333
E-mail : piyush.goyal@gov.in, Website : www.piyushgoyal.in